

अपूर्वदृष्ट वि. (तत्.) 1. जो पहले नहीं देखा गया हो, अद्भुत। 2. अजनबी।

अपृक्त वि. (तत्.) जो मिश्रित हो, जो पूरा न हो, अपूर्ण असंबद्ध।

अपृथक् वि. (तत्.) जो अलग न हो, भिन्न हो, पृथक् न हो।

अपेक्षक वि. (तत्.) अपेक्षा रखने वाला, ध्यान देने वाला, आदर-सम्मान करने वाला।

अपेक्षण पुं. (तत्.) दे. अपेक्षा।

अपेक्षणीय वि. (तत्.) अपेक्षा करने योग्य, वांछनीय, आवश्यक।

अपेक्षया क्रि.वि. (तत्.) किसी की तुलना में, अपेक्षाकृत।

अपेक्षा स्त्री. (तत्.) 1. आकांक्षा, इच्छा, चाह 2. आवश्यकता, जरूरत 2. आशा; भरोसा 3. प्रतीक्षा, इंतजार।

अपेक्षाकृत क्रि.वि. (तत्.) तुलना में, मुकाबले में।

अपेक्षातंतु पुं. (तत्.) आवश्यकता का सूत्र, आकांक्षाओं का तांता।

अपेक्षात्मक वि. (तत्.) अपेक्षा से युक्त, अपेक्षित, तुलनात्मक।

अपेक्षाबुद्धि स्त्री. (तत्.) भेदबुद्धि।

अपेक्षित वि. (तत्.) जिसकी इच्छा, आकांक्षा या आवश्यकता हो प्रयो. दस में से पाँच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

अपेक्षी वि. (तत्.) 1. प्रतीक्षा करने वाला 2. आकांक्षी। वह अपने पत्र के उत्तर का अपेक्षी है।

अपेक्ष्य वि. (तत्.) जिसकी अपेक्षा की जाय या जिसकी आवश्यकता हो, वांछनीय।

अपेत वि. (तत्.) 1. जो छिपा हो, तिरोहित। 2. रहित 3. वंचित।

अपेय वि. (तत्.) जो पीने योग्य नहीं है।

अपेरण पुं. (तत्.) खगो. वह लघुविस्थापन जो खगोलीय पिंडों और तारों की आभासी स्थिति में प्रकाश की गति और प्रेक्षक के स्थिति-परिवर्तन के संयुक्त प्रभाव के कारण होता है abrasion तु. विपथन।

अपेल वि. (तत्.) 1. जिसे निरस्त या काटा न जाय, अकाट्य। 2. अटल।

अपैतृक वि. (तत्.) जो पैतृक न हो, जो पूर्वजों से संबद्ध न हो विलो. पैतृक।

अपोढ वि. (तत्.) 1. हटाया गया, जिसे निरस्त कर दिया गया हो, बाधित, निकाला गया 2. भू.वि. नदियों द्वारा बहाकर लाई गई मिट्टी, बजरी आदि का ढेर।

अपोढ वि. (देश.सं.अप्रौढ) 1. जो प्रौढ न हो 2. अपरिपक्व।

अपोत्साहक वि. (तत्.) गलत काम के लिए उत्साहित करने वाला, अपराध के लिए प्रोत्साहित करने वाला।

अपोषण पुं. (तत्.) 1. पोषण का अभाव, लालन-पालन का अभाव 2. असहायता 3. कुपोषण।

अपोह पुं. (तत्.) 1. (शंका का) निराकरण 2. हटाना 3. बहस तक-वितर्क 4. जैन वह ज्ञान जो संशय के मूल अर्थात् विकल्प का निराकरण कर दे।

अपोहन पुं. (तत्.) आयु. उपचार की एक तकनीक जिसमें गुर्दे के काम न करने की स्थिति में रुधिर से वर्ज्य पदार्थों को हटा दिया जाता है dialysis

अपोहनीय वि. (तत्.) हटाने लायक, दूर करने योग्य।

अपोह्य वि. (तत्.) दे. अपोहनीय।

अपौरुषेय वि. (तत्.) 1. अमानव-कृत, अमानवीय, अतिमानवीय 2. कायरतापूर्ण।

अपौरुष वि. (तत्.) 1. पुरुषत्वहीन, कायर 2. ईश्वरीय, दैवी पुं. (तत्.) 1. पौरुष का अभाव 2. दैवी शक्ति विलो. पौरुष।